वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 25 | बुधवार 24 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

2000 के नोट बदलने का काम शुरू

राजस्थान में 300 करोड़ के नोट बदले...500 करोड़ खातों में जमा कराए, कुछ बैंकों में आईडी मांगने की शिकायत

जयपुर. शाबाश इंडिया

देशभर में मंगलवार से 2000 रुपए के नोट बदलने का काम शुरू हो गया। रिजर्व बैंक ने इन नोटों को वापस ले लिया है और लोगों से इन नोटों को बैंकों में बदलवाने या खातों में जमा कराने को कहा है। इसके लिए किसी तरह की पहचान की जरूरत नहीं है। हालांकि, 30 सितंबर तक का समय है लेकिन पहले दिन ही लोग बड़ी संख्या में पहुंचने लगे। इधर, राजस्थान में पहले दिन करीब 300 करोड़ रुपए के नोट बदले गए और 500 करोड़ रुपए के 2000 के नोट खातों में जमा कराए गए।

पीएनबी समेत कई बैंकों ने आईडी के आदेश वापस लिए

पीएनबी समेत कई बैंकों ने दोपहर बाद नोट बदलने के लिए आधार, आईडी कार्ड या फार्म भरने का आदेश वापस ले लिया। इधर, रिजर्व बैंक के जयपुर कार्यालय में दोपहर 2.30 बजे केवल 40 लोगों ने दो हजार के नोट बदलवाए। भीड़ कम होने से बैंक के दो करेंसी काउंटर में एक पर ही नोट एक्सचेंज का काम किया गया। इसी तरह दूसरी बैंकों की शाखाओं में भी दो हजार का नोट बदलवाने वालों की संख्या कम रही। एक-दो कर लोग आते रहे।

राज. स्टेट कॉ-ऑपरेटिव बैंक ने आईडी जरूरी की

राज. स्टेट कॉ-ऑपरेटिव बैंक में नोट बदली के लिए सभी 15 शाखाओं और सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक की 29 ब्रांच में नोट बदलने के लिए फार्म भरवाए गए और आईडी ली गई। उधर, शाखा प्रबंधकों का कहना था कि प्रबंधन ने आईडी मांगने और फार्म भरवाने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते कई लोग बिना नोट बदलवाए ही वापस लौट गए। वहीं कहीं-कहीं अनियमित्ता की शिकायत मिली है।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन

विधायक लाहोटी बोले- कांग्रेस सरकार ने फ्यूल सरचार्ज 60 पैसे प्रति यूनिट औसतन कर दिया

जयपुर. कासं। बिजली की दरों में बढ़ोतरी हो लेकर विधायक अशोक लाहोटी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विधायक लाहोटी ने बताया कि पूर्ववती भाजपा सरकार में जो फ्यूल सरचार्ज 18 पैसे प्रति यूनिट हुआ करता था, वह कांग्रेस सरकार ने बढ़ाकर 60 पैसे प्रति यूनिट औसतन कर दिया। 2018 में बिजली की प्रति यूनिट दरें 5 रुपए 55 पैसे हुआ करती थी वह अब बढ़ाकर 11 रुपए 90 पैसे कर दी गई है। लाहोटी ने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। एक तरफ सरकार 23.309 मेगावाट क्षमता बिजली उत्पादन के साथ सरप्लस बिजली होने की बात कहती है, दूसरी तरफ प्रदेश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 6-10 घंटे अघोषित बिजली कटौती करती है। इस मामले को लेकर बिजली विभाग अधिशाषी अभियंता कार्यालय में ज्ञापन दिया। इस दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी व पार्टी के कार्यकर्ताओं व विकास समितियों के पदाधिकारियों मौजूद रहे।

रंधावा बोले- पायलट के अल्टीमेटम पर गहलोत जवाब देंगे: प्रदेश प्रभारी ने कहा...

राजस्थान में मेरे पास इन दोनों के अलावा भी कई नेता हैं

जयपुर. कासं

सचिन पायलट मामले में एक्शन को लेकर फिलहाल कांग्रेस नेताओं ने वेट एंड वॉच की रणनीति अपना ली है। पायलट मामले में पहले मुखर रहे प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा अब सीधे बयान देने से बच रहे हैं। पायलट पर एक्शन के सवाल पर रंधावा ने कहा- मेरे लिए यही दोनों लीडर (गहलोत, पायलट) ही नहीं हैं, मेरे पास राजस्थान में दोनों के अलावा और भी बहुत लीडर हैं। इनसे मैं बात कर रहा हूं। हर लीडर के साथ बात कर रहा हूं। रंधावा दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पायलट की यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर रंधावा ने कहा- सचिन पायलट की यात्रा का मामला पुराना हो गया है, कोई नई बात करो।

पायलट मसले पर कोई अलग से बैठक नहीं

पायलट मामले में बैठक के सवाल पर रंधावा ने कहा- चार चुनावी राज्यों की बैठक बुलाई गई है। राजस्थान को लेकर अलग से कोई मीटिंग नहीं है। चुनावी तैयारियों पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गई है। जो जितने लीडर हैं। सभी लीडर आएंगे। वहां कोई पार्टी की अंदरूनी राजनीति पर बात नहीं होगी। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां तैयारियों पर बैठक होगी। सचिन पायलट के अल्टीमेटम के सवाल पर रंधावा ने कहा- अल्टीमेटम का जवाब चीफ मिनिस्टर

दे सकते हैं, क्योंकि उन्होंने सरकार को अल्टीमेटम दिया है। यह मामला मेरे पास आएगा तो मैं जवाब दूंगा। कांग्रेस की बैठक में पायलट को बुलाने पर कहा कि वे कांग्रेस के लीडर हैं, हमने सब कांग्रेस के नेताओं को बुलाया है तो सब आएंगे। दिल्ली सरकार के अधिकारों को कम करने के मुद्दे पर विपक्षी एकता के आम आदमी पार्टी के आह्वान पर रंधावा ने कहा- मैं इसके अगेंस्ट हूं, जैसे हमने यूपी में बीएसपी के साथ गठबंधन किया। वैसा गठबंधन पंजाब में नहीं चाहिए। पंजाब में हम सक्षम हैं। पंजाब में जो वर्कर हैं, जिनके ऊपर आज भी बेइंतहा मुकदमें डाले जा रहे हैं। और भी बातें हो रही हैं। यह सही है कि केंद्र के पास ही सारी ताकत नहीं होनी चाहिए, सत्ता का विकेंद्रीकरण होना चाहिए। राज्यों के पास भी पावर होनी चाहिए। पंजाब में कांग्रेस को अलग ही रहना चाहिए, जालंधर में जो चुनाव लड़ा है। उसी स्टैंड पर बरकरार रहना चाहिए।

श्री हरि हरात्मक महायज्ञ की तैयारियां पूर्ण, कलश यात्रा 25 मई को

विराट नगर. शाबाश इंडिया

श्री पंच खंडपीठ, भीम गिरी पर्वत पर पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाले नौ दिवसीय श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ की तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई है। इस संबंध में मंगलवार को यज्ञाचार्य गणेश महाराज (अयोध्या वाले) ने सोमेंद्र महाराज के साथ यज्ञ मंडप का जायजा लिया। पवन धाम सेवा समिति के सचिव प्रतीक शर्मा ने बताया कि यज्ञ व्यवस्था की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। यज्ञ मीडिया प्रभारी मामराज सोलंकी ने बताया कि कलश यात्रा 25 मई को प्रातः 8:00 बजे कस्बे के भीमसेन चौक राम मंदिर से शाही लवाजमा के साथ प्रारंभ होगी, जो पावन धाम तक पहुंचेगी। यज्ञ उपाचार्य पंडित गोपाल शुक्ला में जानकारी देते हुए बताया कि इसी रोज मंडप प्रवेश, देव मंडल स्थापना, अग्नि स्थापन का कार्यक्रम संपन्न होगा। यज्ञाचार्य गणेश महाराज के निदेर्शानुसार सभी यजमानों को बुधवार 24 मई को प्रातः 11:00 बजे पावन धाम में आमंत्रित किया गया है। गौरतलब है कि श्री पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत के वास्तविक स्वरूप को विकसित करने हेतु ब्रह्मलीन सदगुरुदेव समर्थ गुरूपाद श्री पंच खंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी श्री धर्मेंद्र महाराज की सद् प्रेरणा से उनके उत्तराधिकारी श्री पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य सोमेन्द्र महाराज द्वारा आगामी 29 मई को अनेक साधु-संतों की मौजूदगी में मंगल चंद गर्ग के यजमानत्व में श्री कृष्ण पांडव परिवार की प्रतिमाएं वैदिक विधि विधान से प्रतिष्ठापित होगी।

लायन रोशन सेठी एडवोकेट लायंस मल्टीपल कॉन्सिल के चेयरमैन चुने गये

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रान्त 3233 ई-1 के डायनामिक गवर्नर लायन रोशन सेठी एडवोकेट को लायंस मल्टीपल कौंसिल की हाल ही में संपन्न बैठक में मल्टीपल कौंसिल एम डी 3233 का अध्यक्ष चुना गया है। समारोह के मुख्य अतिथि कर्नाटक के गवर्नर महामहिम डॉ थावर चंद गहलोत थे। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष लायन नरेश अग्रवाल व अंतर्राष्ट्रीय डायरेक्टर वी के लड़िया व कौंसिल चेयरमैन संजय भण्डारी ने रोशन सेठी के नाम की घोषणा की और शुभकामनाएँ दी। मल्टीपल कौंसिल में राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 807 क्लब व 21000 लायन सदस्य थे।

त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिती द्वारा धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महा समिति, राजस्थान अंचल द्वारा जयपुर के विभिन्न मंदिरों में 14 मई से धार्मिक शिक्षण शिविर के माध्यम से बच्चो में धार्मिक संस्कार, ज्ञान सिखाए जा रहे हैं। शिविर प्रभारी अशोक पापड़ीवाल एवं संयोजक नरेंद्र सेठी ने बताया कि त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिति द्वारा संत भवन में शिविर लगाया जा रहा है। आज शिविर समापन के अवसर पर महा समिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन रिट.आई पी एस, कार्याध्यक्ष णमोकर जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश सोगानी, मंत्री सुनील बज, कैलाश चंद जैन मैलया,विमल प्रकाश कोठारी आदि ने शिविर का अवलोकन किया। त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिति ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के मंत्री रजनीश अजमेरा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती संतोष सोगानी, मंत्री श्रीमती शिमला पापडीवाल , उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम लता काला, आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर शिविर अध्यापिका श्रीमती साधना छाबड़ा, बबिता लुहाड़िया,एकता पांड्या एवं मीनाक्षी, अंजली, स्वेता जैन,दीपिका,सपना, नितिन छाबड़ा आदि का सम्मान महासमिति एवं त्रिवेणी समाज की और से किया गया। प्रभावना स्वरूप बच्चो को आज उपहार अशोक पाड़ीवाल परिवार एवं पदम झांझरी परिवार की और से बाटे गए।

मां सुपार्श्वमति गौशाला सडु की गुल्लक योजना का शुभारंभ

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

सुजानगढ़। श्री दिगंबर जैन आदिनाथ बाहुबली मंदिर में चल रहे भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव समारोह में आज मां सुपार्श्वमती गौशाला, सडु. की गुल्लक - योजना का शुभारंभ गौशाला की संस्थापक श्रीमती मैना देवी सडुवाला के कर कमलों से किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे महेंद्र पांड्या गुवाहाटी, मीनू देवी पाटनी इम्फाल, सन्तोष बगड़ा जयपुर, जैन समाज और गौशाला के पूर्व अध्यक्ष विमल पाटनी, जैन महिला मंडल सुजानगढ़ की पूर्व अध्यक्ष प्रेमलता देवी बगडा, ऊषा देवी बगड़ा पार्षद नगर परिषद ने अपनी सहभागिता दी, जयप्रकाश बगड़ा ने बताया कि गौशाला कि स्थापना आज से लगभग 20 वर्ष पहले मां सुपार्श्वमती माता जी की प्रेरणा से गायों और बेजुबान पशुओं को कत्लखानों में काटे जाने से बचाने के उद्देश्य से कि गई थी और वर्तमान में लगभग 250 गौ माताओं की सेवा गौ शाला समिति द्वारा की जा रही है। जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडुवाला ने गौशाला को निरन्तर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा सन्तोष बगड़ा जयपुर ने सरकारी विभागों द्वारा गौशालाओं को दी जा रहे अनुदान की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मनीष कुमार बिनायक्या, लाल चन्द बगड़ा ,वीरेंद्र पाटनी ,डॉ सरोज छाबड़ा, विनीत बगडा, नवीन बगडा,मंजू बाकलीवाल, नुतन जैन तेहनदेसर संजय चांदनी जैन सडु, अशोक कुमार सेठी लाडनूं , विजय कुमार जैनाग्रवाल लाडनूं , सरोज जैन नागौर, महेश बगड़ा किशनगढ़, निखिल और नरेंद्र जैन अजमेर, शोभा जैन जयपुर, टीकुं बगडा.गुवाहाटी आदि मौजूद रहे।

सफल आयोजन के लिये गौशाला अध्यक्ष नीलम कुमार जैन ने धन्यवाद दिया।

मुरलीपुरा जैन मंदिर में ग्रीष्मकालीन जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के बैनर तले श्री महावीर दि. जैन मंदिर मुरलीपुरा जयपुर में दिनाँक 14 मई से 23 मई तक बच्चों व बड़ों हेतू जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि शिविर में 4 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों को जैन धर्म से संबंधित भाग प्रथम व द्वितीय की शिक्षा दी गयी एवं बड़ो को भक्तामर के 48 काव्यों की शिक्षा दी गयी। शिविर संयोजक पंकज जैन एवं श्रीमती मंजू बड़जात्या ने बताया कि अंतिम दिन 23 मई को सभी की परीक्षा आयोजित की गई। इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांड्या, राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, झोटवाड़ा जोन अध्यक्ष पवन पांड्या, मंत्री रवि जैन, शिक्षकगण शशि जैन, सुधा जैन, धर्मचंद जैन, मंजू बड़जात्या, विशिष्ट सदस्य - सुरेश चंद जैन की उपस्थिति रही। शिविर में प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को महासमिति की तरफ से पुरस्कृत किया जायेगा।

सात दिवसीय ऑल इंडिया प्रिंट आर्ट एक्सिबिशन शुरू, 31 मई तक जारी रहेगी कला प्रदर्शनी

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विगत मार्च महीने में सम्पन्न ऑल इंडिया प्रिंट मेकिंग कैंप में सृजित चित्रकृतियों की प्रदर्शनी मंगलवार को अंबामाता स्कीम स्थित टखमण आर्ट सेंटर पर शुरू हुई। लेकसिटी के वरिष्ठ चित्रकार प्रो. सुरेश शर्मा ने फीता काट कर इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी को आमजन 31 मई तक प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 7 बजे तक निशुल्क देख सकते हैं। इनकी कृतियां प्रदर्शित हुई : जयंती राबड़िया, हिना भट्ट, डिंपल चंडात, ईशु जिंदाल, ललित शर्मा, एल एल वर्मा, डॉ.मोहन जाट, पी डी धूमाल, डॉ. शाहिद परवेज, डॉ. शीतल चौधरी, जयेश सिकलीगर, ज्योतिका राठौर, डॉ. रघुनाथ शर्मा, डॉ.सुनील निमावत, विजय बागोड़ी, सीपी चौधरी और डॉ. विद्यासागर उपाध्याय की चित्रकृतियाँ प्रदर्शित की गई। उद्घाटन अवसर पर प्रो. शैल चोयल, शर्मिला राठौड़, युगल शर्मा, योग गुरु सुरेश पालीवाल, हर्ष छाजेड़, शंकर शर्मा, कमल जोशी, मयंक शर्मा, रोकेश सिंह, युनूस खान, मकबूल सहित अन्य कई कला प्रेमी उपस्थित रहे। इससे पूर्व कला प्रांगण में साधारण वार्षिक बैठक भी हुई। जिसमें प्राथमिकता से आर्टिस्ट रेसीडेंसी बनाने पर सभी उपस्थित कलाकार सदस्यों ने सहमति जताई। समन्वयक संदीप पालीवाल ने बताया कि कला परिसर में सिरेमिक और ग्राफिक स्टूडियो के अस्तित्व में आने के बाद से ही शहर के युवा पीढ़ी के कलाकारों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हुई है। ऐसे में स्कल्पचर स्टूडियो के लिए भी जल्दी ही प्रयास किए जाएंगे। रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

SUMMER CAMP अरिहंत नाट्य संस्था SUMMER CAMP

ARL द्वारा प्रस्तुत

"पहल" THEATRE AND PERSONALITY DEVELOPMENT WORKSHOP

One month Workshop syllabus:-

• Acting • Dance • Voice and Speech • Characterisation • Improvisation • Mime • Personality Development • Diction • Self Confidence • Voice Modulation • How to face the Audience • Acting Techniques • Drawing and Painting • Art & Craft • Mask Making • Reading • Story Writing • Face Expressions • Theatre Exercise • Theatre Games • Drama Show • Dance Show • Exhibition

कार्यशाला निर्देशक : अजय जैन मोहनबाड़ी, तपन भट्ट

दिनांक : 1 जून से 30 जून
समय : प्रातः 8 से 11 बजे
स्थान : श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर सेक्टर-10, मालवीय नगर, जयपुर

मुख्य प्रायोजक : श्रेष्ठी श्रीमान् नंदकिशोर जी, श्रेष्ठी श्रीमान् प्रमोद जी पहाड़िया व समस्त परिवार

सहयोगी पुण्यार्जक : श्रीमती किरण-अशोक बगड़ा
मुख्य समन्वयक : श्रीमती शीला डोडिया

समन्वयक : डॉ. वन्दना जैन, श्रीमती शालिनी बाकलीवाल
मुख्य संयोजिका : श्रीमती कल्पना बेद
93529-98335

आभार : श्री हरक चन्द लुहाड़िया, श्री विजय चन्द कासलीवाल, श्री हरिशंकर जी, श्री विमलेश राणा

आज ही अपने बच्चों का रजिस्ट्रेशन करायें
(आयु वर्ग 8 से 20 वर्ष)
रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें
76150 60671,9829 515100
93529 98335

रजिस्ट्रेशन शुल्क 700/- रुपये (एक महिना)

वेद ज्ञान

विचारों की शक्ति

विचारों से ही कर्म करने की प्रेरणा मिलती है और कर्म से विचार पनपते हैं। शुभ, श्रेष्ठ और दिव्य विचार विधाता के विशिष्ट वरदान हैं। सच कहा जाए तो विचार व्यक्ति की आत्मा हैं। आत्मा एक देह तक सीमित नहीं है। इसलिए विचार भी अपने में सबको और सभी में अपने को समेटे हुए हैं। विचार शुद्ध हैं। विचार यदि दिव्य हैं और परमार्थ तथा प्रेम से परिपूर्ण हैं तो विचार हताशा की औषधि हैं। सुविचार वरदान स्वरूप होते हैं। विचार के साथ जब विश्वास का समायोजन होता है तब मानो हृदय और आत्मा का समायोजन होता है। सद्विचार और विश्वास से सब कुछ संभव है। विश्वास से ही विश्व है। विश्वास से ही ब्रह्मांड है। इससे ही बूंद सागर बन जाती है। अंश पूर्ण हो जाता है और अकेलेपन का अंत हो जाता है। व्यक्ति हृदय और आत्मा के अनुबंध के साथ जीने लगता है। विचार सजीव और सूक्ष्म होते हैं। कर्म इनकी ही देन है। विचार अपराजेय जीवनी शक्ति है। विश्वास युक्त विचार पर ही जीवन रूपी वट वृक्ष का रूप, स्वभाव व संस्कार आदि निर्भर करते हैं। हमें अपने प्रति ईमानदार होना होगा ताकि अपनी मेहनत पर विश्वास हो। आवश्यक नहीं कि किए हुए काम पर सफलता मिलने पर ही खुशी मनाई जाए। असफलता पर भी निराश नहीं होना है। उसे दृढ़ता से हटाने के लिए संकल्पबद्ध होना होगा। अपनी हिम्मत और लगन के प्रति आस्था पैदा करनी होगी। विचारों को प्रेम में पगा कर, त्याग में तपा कर और सेवा संकल्प से सजाकर जब काम होगा तब चमत्कार होगा। विचारों में बड़ा जादू है। ये हमें गिरा भी सकते हैं और उठा भी सकते हैं। आत्मविश्वास को मजबूत करते हुए दिव्य विचारों को कर्मरूप में प्रदत्त करना मानव मात्र का लक्ष्य होना चाहिए। मानव को प्रभु सत्ता में पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए आशावादी, उदार और उत्कृष्ट विचारों से अपने मन को सराबोर रखना चाहिए। वास्तविक विश्वास एक अवर्णनीय गुण है। यह वह अदम्य साहस है जो हमें सार्थक सफलता की ओर ले जाता है। यह वह महान शक्ति है जो हमारा पथ प्रशस्त करता है। रोते-कलपते नहीं, हंसते-खेलते जीना सिखाता है।

संपादकीय

जंग से प्रभावित विश्व में एक उम्मीद है भारत

समूह सात के शिखर सम्मेलन में एक बार फिर भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर अमन का रास्ता अख्तियार करने पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और जंग खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इसके लिए भारत पूरी तरह से कृतसंकल्प है। युद्ध शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री की जेलेंस्की से यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। इसके पहले वे दोनों इस संबंध में फोन पर कई बार बात कर चुके हैं। युद्ध शुरू होने के कुछ समय बाद ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री शंघाई में मिले थे, तब भी उन्होंने युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया था। पुतिन ने उनके सुझाव पर अमल का भरोसा दिलाया था, मगर उस सम्मेलन से लौटते ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए थे। अब युद्ध को सवा साल हो चुके हैं। दोनों में से कोई भी देश लचीला रुख अपनाने को तैयार नहीं दिख रहा। रूस कोई न कोई

बहाना बना कर यूक्रेन पर हमले तेज कर देता है। उसने यूक्रेन के एक बड़े हिस्से पर कब्जा भी कर लिया है। इसके चलते पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है और महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा तो पूरी दुनिया की नजर भारत पर टिक गई थी। माना जा रहा था कि भारत के प्रयासों से इसे रोकने में मदद मिल सकती है। इसलिए कि भारत रूस का घनिष्ट मित्र है और उसकी मध्यस्थता का उस पर असर हो सकता है। भारत ने इसके लिए पूरा प्रयास किया भी। जब भी प्रधानमंत्री ने पुतिन से बात की, उन्होंने उसे सुना तो ध्यान से मगर किया अपने मन की। यूक्रेन से भी भारत की निकटता रही है, इसलिए वह भी भारत के सुझावों को गंभीरता से लेता रहा है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री ने हिरोशिमा में जेलेंस्की से अलग से बात की और फिर सम्मेलन के मंच से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को मानवता के लिए गंभीर संकट बताया, तो सभी सदस्य देशों ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। मगर इसमें अब सबसे बड़ा दुश्मन चीन नजर आने लगा है। समूह सात के देशों ने उसका नाम लिए बिना कड़ी निंदा की और कहा कि उसे रूस पर यह युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाना चाहिए। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध अब जिस मोड़ पर पहुंच गया है, वहां जैसे किसी तरह के समझौते की गुंजाइश नजर नहीं आती। पश्चिमी देश खुल कर यूक्रेन के पक्ष में उतर आए हैं, तो चीन खुल कर रूस के साथ खड़ा है। रूस के हमले यूक्रेन पर भारी पड़ रहे हैं। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है। ऐसे में भारत के लिए मध्यस्थता की कोई जगह तलाशना आसान नहीं रह गई है। रूस पर वह दबाव बनाने की कोशिश भी करे, तो कैसे। चीन एक बड़ा रोड़ा है। फिर रूस जिस तरह यूक्रेन के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा कर उस पर हमले के बहाने तलाशता रहता है, और पुतिन का जिस तरह का मिजाज है, उसमें अब लगता नहीं कि भारत की मानवता की दुहाई उस पर कोई असर करेगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

टकराव

दिल्ली सरकार में अधिकारियों की तैनाती और तबादले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला आया, तो लगा कि अब केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच टकराव की नौबत नहीं आएगी। संविधान पीठ ने कुछ को छोड़ कर सभी विभागों के अधिकारियों के चयन और तबादले का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया। मगर केंद्र सरकार को वह फैसला रास नहीं आया। शुक्रवार को उसने अध्यादेश जारी कर दिल्ली सरकार के अधिकारों का अधिग्रहण कर लिया। अधिकारियों की तैनाती और तबादले के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोकसेवा प्राधिकरण का गठन कर दिया गया, जिसके अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री को और दो अन्य सदस्यों के रूप में प्रधान सचिव और केंद्रीय गृहमंत्रालय के प्रधान सचिव को नामित कर दिया गया। नियम बनाया गया कि सदस्यों के बहुमत के आधार पर नियुक्तियों और तबादलों से संबंधित फैसले होंगे। जाहिर है, इस आयोग में भी केंद्र सरकार की शक्ति अधिक रखी गई है, यानी केंद्र सरकार जिसे चाहेगी वही अधिकारी दिल्ली सरकार में तैनात किया जा सकेगा। इसे लेकर स्वाभाविक ही विपक्ष और मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी ने विरोध शुरू कर दिया है। दिल्ली सरकार इस अध्यादेश को अदालत में चुनौती देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आश्वस्त हैं कि यह अध्यादेश अदालत में एक दिन भी नहीं टिकेगा। यह बात किसी को भी गले नहीं उतर रही कि आखिर केंद्र सरकार क्यों इस जिद पर अड़ी है कि दिल्ली सरकार को एक चुनी हुई सरकार के अधिकार हासिल न होने पाएं। वह उसकी सारी प्रशासनिक शक्तियां अपने हाथ में क्यों रखना चाहती है। शुरू से ही, दिल्ली के जो भी उपराज्यपाल नियुक्त हुए, वे केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप ही काम करते रहे। इसे लेकर दिल्ली सरकार लगातार केंद्र पर आरोप लगाती रही कि वह उसे काम नहीं करने दे रही। पांच साल पहले भी वह अदालत गई थी कि उसके अधिकारों की व्याख्या की जाए। तब भी अदालत ने यही कहा था कि दिल्ली सरकार लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार है, इसलिए उसे प्राशासनिक फैसले करने का अधिकार है। मगर किसी भी उपराज्यपाल ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। वर्तमान उपराज्यपाल ने तो एक तरह से दिल्ली सरकार के सारे अधिकार अपने हाथों में लेने की कोशिश की। नगर निगम में भी उन्होंने संवैधानिक नियमों को ताक पर रखते हुए अपनी पसंद के दस सदस्य मनोनीत कर दिए। इसे भी सर्वोच्च न्यायालय ने अनधिकार चेष्टा करार दिया। फिर भी केंद्र ने अदालत के फैसले का सम्मान करना जरूरी नहीं समझा। सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकार की शक्तियों की स्पष्ट व्याख्या कर दी थी, फिर भी केंद्र को वह रास नहीं आई, तो इससे यह भी जाहिर होता है कि उसे न तो संविधान के नियमों की परवाह है और न अदालत की संविधान पीठ का। आखिरकार वह अपने ही फैसले लागू करना चाहती है। इससे एक बार फिर केंद्र सरकार की किरकिरी हुई है। अब आम आदमी पार्टी को बैठे-बिठाए एक और मुद्दा मिल गया है भाजपा और केंद्र सरकार को घेरने का। इससे आम लोगों में केंद्र सरकार के कामकाज को लेकर कोई अच्छा संदेश नहीं गया है। लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि होता है और अगर कोई सरकार उसे दरकिनार करके अपनी जिद को ऊपर रखने का प्रयास करती है, तो उससे उसका पक्ष कमजोर ही होता है। अगर केंद्र के इस अध्यादेश को अदालत ने निरस्त कर दिया, तो फिर और किरकिरी होगी।

श्रमण संस्कृति के बहुभाषाविद श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज

श्रमण संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ चर्या शिरोमणि, आगम अध्येता आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक बहुभाषाविद शिष्य

शाबाश इंडिया

श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराजक का आज 24 मई को 37 वां ''अवतरण दिवस'' है । इंदौर नगर के दिगंबर जैन धर्मावलंबियों एवं मुनि भक्तों का यह सौभाग्य है कि उन्हें दूसरी बार मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज की सन्निधि में उनका ''अवतरण दिवस'' मनाने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। पिछले वर्ष अंजनी नगर दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्मावलंबियों को मुनि श्री का जन्म दिवस मनाने एवं उनका गुणानुवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ था। इस वर्ष यह अवसर अंबिकापुरी दिगंबर जैन समाज को वहां मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के ही ससंघ सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान प्राप्त हो रहा है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि अधिकांश दिगंबर जैन मुनि अपना जन्म दिवस नहीं मनाते वह तो अपना दीक्षा दिवस स्मरण रखते हैं और दीक्षा दिवस को श्रमण और श्रावक मिलकर मनाते हैं। जन्म दिवस मनाना तो हम ग्रहस्थों का काम है लेकिन अंबिकापुरी में विराजित मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के प्रति हम सबकी श्रद्धा है इसलिए अंबिकापुरी दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में नगर की दिगंबर जैन समाज स्वेच्छा से मुनिश्री का ₹अवतरण दिवस मना रही है। दिनांक 24 मई 1986 को संस्कारधानी जबलपुर में जन्मे सन्मति जैन आज हम सबके बीच श्रुत संवेगी

मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज के रूप में उपस्थित हैं और अपनी पीयूष वर्षणी वाणी से जन-जन को ना केवल जिनवाणी का प्रसाद बांट रहे हैं बल्कि ढोंग का नहीं ढंग का जीवन जीने की प्रेरणा भी दे रहे हैं। आप एमबीए तक शिक्षित है. और 16 भाषाओं के ज्ञाता हैं। बचपन से ही धार्मिक संस्कारों से समृद्ध होने के कारण सन्मति भैया के मन में वैराग्य का बीजारोपण हो गया और युवावस्था की दहलीज पर कदम रखते ही वैराग्य का बीज पल्लवित पुष्पित होने पर मात्र 25 वर्ष की आयु में जब आपको अपने तन पर पहने जाने वाले कपड़े बोझ लगने लगे तो माता-पिता से आज्ञा लेकर आप आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के पास पहुंच गए और उनकी चरण वंदना कर उनसे जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान किए जाने का निवेदन किया और आचार्य श्री ने भी कुछ समय पश्चात दिनांक 8 नवंबर 1911 को सागर मध्यप्रदेश में सन्मति भैया के माता पिता और परिजनों की सहमति के बाद सन्मति भैया को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान कर मुनि श्री आदित्यसागर बना दिया तब से आज तक आप अपने ज्ञान, अपनी आगम अनुकूल चर्या और साधना से ना केवल धर्म की प्रभावना कर रहे हैं बल्कि नमोस्तु शासन को भी जयवंत कर रहे हैं। आज के इस पावन दिवस पर हम भावना भातें हैं कि मुनि श्री का रतनत्रय सदैव कुशल मंगल रहे एवं दिन प्रतिदिन उनका मोक्ष मार्ग प्रशस्त हो और हम सबको भी उनका सानिध्य और आशीर्वाद दीर्घकाल तक मिलता रहे। 'अवतरण दिवस' पर मुनिश्री के चरणों में कोटि-कोटि नमन डॉक्टर जैनेंद्र जैन मंत्री दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद इंदौर एवं समाज प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू

लेखक: डॉ जैनेन्द्र जैन
मंत्री दिगंबर जैन समाज
समाजिक सांसद इंदौर

आज नवीन वेदी में जिनेंद्र भगवान होंगे विराजमान

विश्व शांति महायज्ञ होगा: महोत्सव के समापन पर जिनेंद्र भगवान की रथ यात्रा निकाली जाएगी

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर की नवीन वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत महोत्सव के तीसरे दिन नित्य अभिषेक पूजन व जिनेंद्र भगवान की शांतिधारा की गई जिनेंद्र भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य जोरावरमल कमल कुमार,रतनलाल सुरेंद्र कुमार व मिश्रीलाल सुनील कुमार बगड़ा डिब्रूगढ़ असम को मिला। श्री दिगम्बर जैन समाज के उपमंत्री रौनक पांड्या ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत तीसरे दिन पंडित कुमुद जी सोनी के सानिध्य में मोहत्सव में वेदी शुद्धि , वेदी संस्कार व वेदी प्रतिष्ठा के साथ याग मण्डल विधान भी आयोजित किया गया जिसके दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य हीरालाल कैलाशचंद बगड़ा परिवार को मिला जिसमे समाज के लोगो ने भाग लेकर जिनेंद्र भगवान की आराधना की । मीडिया प्रभारी महावीर पाटनी ने बताया कि सांध्यकालीन महाआरती का सौभाग्य

मोहनलाल गजराज संतोष कुमार जयप्रकाश संजय कुमार बगड़ा परिवार को मिला। महाआरती बैंड बाजे व बघी के साथ आकर्षक रोशनी के बीच सडूवाला पैलेस से निकाली गई। आरती के पश्चात भोपाल से पधारे संगीतकार केशव एंड पार्टी के निर्देशन में धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमे समाज की महिलाओं व नन्हे मुन्ने बच्चो द्वारा द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गई। आज महोत्सव के अंतिम दिन नित्याभिषेक,शांति धारा,पूजन होगा इसके पश्चात महोत्सव की मांगलिक क्रियाओं की कड़ी में नवीन वेदी में जिनेंद्र भगवान को विधि पूर्वक विराजमान किया जाएगा इसके पश्चात पूरे विश्व में अमन शांति भाईचारा सद्भाव बना रहे इस मंगल भावना के साथ विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा इसके उपरांत महोत्सव के समापन पर जिनेंद्र भगवान की रथ यात्रा निकाली जाएगी जो आदिनाथ बाहुबली मंदिर से रवाना होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए वापिस मंदिर पहुंचेगी। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला,मंत्री पारसमल बगड़ा,डॉक्टर सरोज कुमार छाबड़ा,कमल कुमार बगड़ा डिब्रूगढ़, जयप्रकाश बगड़ा,संतोष कुमार छाबड़ा, अंकित पांड्या,पदम पाटनी,अशोक छाबड़ा, विमल कुमार पाटनी,महेंद्र कुमार पांड्या ईटानगर, राजेश पाटनी किशनगढ़ ,ललिता देवी बगड़ा, मैना देवी पाटनी,उषा बगड़ा, वीणा छाबड़ा,मंजू पांड्या,बिमला छाबड़ा, सहित सैकड़ों की संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

श्रुत पंचमी महापर्व 24 मई पर विशेष

श्रुत पंचमी महापर्व 24 मई पर विशेष

श्रुतपंचमी हैं ज्ञान की आराधना का महान पर्व

शाबाश इंडिया

जैन परंपरा में आगम को भगवान महावीर की द्वादशांगवाणी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। श्रुत परंपरा जैन -धर्म -दर्शन में ही नहीं वैदिक परंपरा में भी चरमोत्कर्ष पर रही है। इसी के फलस्वरूप वेद को श्रुति के नाम से संबोधित किया जाता रहा। श्रुत पंचमी जैन धर्म का प्रमुख पर्व है। जैन धर्म की मान्यतानुसार आचार्य पुष्पदंत जी महाराज एवं भूतबली जी महाराज ने करीब 2000 वर्ष पूर्व गुजरात के गिरनार पर्वत की गुफाओं में ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन ही जैन धर्म के प्रथम ग्रन्थ ''श्री षटखंडागम'' की रचना को पूर्ण किया था। इसी कारण ज्येष्ठ शुक्ल के पंचमी दिन श्रुत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। पहले भगवान महावीर केवल उपदेश देते थे और उनके प्रमुख शिष्य (गणधर) उसे सभी को समझाते थे, क्योंकि तब महावीर की वाणी को लिखने की परंपरा नहीं थी। उसे सुनकर ही स्मरण किया जाता था इसीलिए उसका नाम 'श्रुत' था। एक कथा के अनुसार दो हजार वर्ष पहले जैन धर्म के एक प्रमुख संत धरसेनाचार्य को अचानक यह अनुभव हुआ की उनके द्वारा अर्जित जैन धर्म का ज्ञान केवल उनकी वाणी तक सीमित है। उन्होंने सोचा की शिष्यों की स्मरण शक्ति कम होने पर ज्ञान वाणी नहीं बचेगी। ऐसे में मेरे समाधि लेने से जैन धर्म का संपूर्ण ज्ञान खत्म हो जाएगा। तब धरसेनाचार्य ने पुष्पदंत एवं भूतबलि की सहायता से ₹षटखण्डागम₹ की रचना की और उसे ज्येष्ठ शुक्ल की पंचमी को प्रस्तुत किया। देश की प्राचीन भाषा प्राकृत में लिखे इस शास्त्र में जैन धर्म से जुड़ी कई अहम जानकारियां हैं। इस ग्रंथ में जैन साहित्य, इतिहास, नियम आदि का वर्णन है जो किसी भी धर्म के लिए बेहद आवश्यक होते हैं।

ज्ञान आराधना का पर्व

श्रुत पंचमी पर्व ज्ञान की आराधना का महान पर्व है, जो जैन भाई-बंधुओं को वीतरागी संतों की वाणी सुनने, आराधना करने और प्रभावना करने का संदेश देता है। इस दिन मां जिनवाणी की पूजा अर्चना सभी करते हैं। इस पावन दिवस पर श्रद्धालुओं द्वारा षटखण्डागम, श्री धवल, महाधवलादि ग्रंथों को विराजमान कर श्रद्धाभक्ति से महोत्सव के साथ उनकी पूजा-अर्चना की जाती है और सिद्धभक्ति का पाठ किया जाता है। इस दिन जैन धर्म के लोग जिनवाणी की शोभा यात्रा निकालते हैं। व्याख्यान, प्रवचन एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी दिन पहली बार जैन धर्मग्रंथ लिखा गया था।

भारतीय संस्कृति का अक्षय भंडार है जैन साहित्य

जैन परंपरा का साहित्य भारतीय संस्कृति का अक्षय भंडार है। जैन आचार्यों ने ज्ञान-विज्ञान की विविध विधाओं पर विपुल मात्रा में स्व-परोपकार की भावना से साहित्य का सृजन किया। आज भी अनेक शास्त्र भंडारों में हस्तलिखित प्राचीन ग्रंथ विद्यमान हैं जिनकी सुरक्षा, प्रचार-प्रसार, संपादन, अनुवाद निरंतर हो रहा है। प्राचीनकाल में मंदिरों में देव प्रतिमाओं को विराजमान करने में जितना श्रावक पुण्य लाभ मानते थे उतना ही शास्त्रों को ग्रंथ भंडार में विराजमान करने का भी मानते थे। यह श्रुत पंचमी महापर्व हमें जागरण की प्रेरणा देता है कि हम अपनी जिनवाणी रूपी अमूल्य निधि की सुरक्षा हेतु सजग हों तथा ज्ञान के आयतनों को प्राणवान स्वरूप प्रदान करें।

जैन पांडुलिपियां हमारी अमूल्य धरोहर

जैन प्राचीन पांडुलिपियों में हमारी सभ्यता आचार-विचार और अध्यात्म विकास की कहानी समाहित है। उस अमूल्य धरोहर को हमारे पूर्वजनों ने अनुकूल सामग्री एवं वैज्ञानिक साधनों के अभाव में रात-दिन खून पसीना एक करके हमें विरासत में दिया है। इस पर्व पर संकल्प लें कि पांडुलिपियों का सूचीकरण करके व्यवस्थित रखवाया जाय, लेमिनेशन करके अथवा माइक्रोफिल्म तैयार करवा कर सैकड़ों हजारों वर्षों तक के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है और अप्रकाशित पांडुलिपियों को प्रकाशित किया जाए। मां जिनवाणी को संरक्षित करने, उसका हम संरक्षण और संवर्द्धन करने के लिए आगे आएं। आज तो ग्रन्थ रचना सुलभ है एक प्रति बनने के बाद अल्प समय में मशीनो द्वारा उसकी सैकड़ो प्रतियाँ छपकर तैयार हो जाती हैं किन्तु उस समय जब कागज भी नहीं था तब हमारे श्रमण-जैनाचार्यों पांडुलिपि पर लेखन कार्य करते थे कितना कष्टप्रद होगा वह लेखन एक पन्ना लिखने में ही समय का बहुधा भाग चला जाता है जबकि आचार्यों ने हजारों-लाखों की संख्या में गाथाएँ लिखी हैं।

अनमोल धरोहर प्राकृत भाषा

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

श्रुत पंचमी को प्राकृत भाषा दिवस के रूप में भी मनाते हैं। प्राकृत भाषा भारत की भाषा है। यह जनभाषा के रूप में लोकप्रिय रही है। जनभाषा अथवा लोकभाषा ही प्राकृत भाषा है। इस लोक भाषा प्राकृत का समृद्ध साहित्य रहा है, जिसके अध्ययन के बिना भारतीय समाज एवं संस्कृति का अध्ययन अपूर्ण रहता है। प्राकृत में विविध साहित्य है। यह जैन आगमों की भाषा मानी जाती है। भगवान महावीर ने भी इसी प्राकृतभाषा के अर्धमागधी रूप में अपना उपदेश दिया था। राष्ट्र की यह अनमोल धरोहर

प्राकृत भाषा आज इतनी उपेक्षित क्यों है? इस भाषा को आज अपनी अस्मिता एवं पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। प्राकृत भाषा प्राचीन काल में जनभाषा के रूप में एक समृद्ध भाषा रही है। विदेशियों ने भी प्राकृत भाषा एवं उसके साहित्य का अध्ययन किया है जिनमें याकोबी, वूल्नर एवं रिचर्ड पिशेल के नाम प्रमुख हैं। रिचर्ड पिशेल ने प्राकृत भाषाओं पर जर्मन में व्याकरण ग्रन्थ लिखा था, जिसका हिन्दी अनुवाद प्रकाशित है। वर्तमान में इसका विशाल साहित्य उपलब्ध है, किंतु सरकार की ओर से इसके व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु अभी तक अत्यल्प ही प्रयास हुए हैं। प्राकृत भाषा के संरक्षण और सम्वर्द्धन के लिए भारत सरकार द्वारा भाषाओं की मान्य आठवीं अनुसूची में प्राकृत भाषा को भी सम्मिलित किया जाए, ताकि इसकी चरणबद्ध रूप में निरंतर प्रगति होती रहे। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। क्योंकि यदि आज हम गौतम गणधर की वाणी को सुन रहे हैं, पढ़ रहे है तो वह श्रुत की है। यदि शास्त्र नहीं होते तो हम उस प्राचीन इतिहास को नहीं जान सकते थे। यह पर्व ज्ञान की आराधना का महान पर्व है। साथ ही श्रुत के संरक्षण, संवर्धन के प्रति अपने कर्त्तव्य एवं दायित्वों को भी निभाने का दिन है।

परुसा सक्कअ बंधा पाउअ बंधोवि होउ सुउमारो।
पुरुसमहिलाणं जेत्तिअमिहन्तरं तेत्तिअमिमाणं ।।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में भगवान धर्मनाथ जी के मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में ज्येष्ठ शुक्ला चतुर्थी मंगलवार, 23 मई भगवान धर्मनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांतिधारा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भगवान धर्मनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया।

मानसरोवर में भगवान धर्म नाथ जी का मोक्ष कल्याण दिवस मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान धर्म नाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस अवसर पर विनोद श्रीमती राजरानी छाबड़ा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्ण विधि-विधान से भगवान धर्म नाथ जी के निर्माण महोत्सव के अवसर पर लाडू अर्पित किया गया कार्यक्रम में जेके जैन, हेमेंद्र सेठी, विनेश सोगानी, हरीश बगड़ा, पूनमचंद आंधीका, सुधीर जैन जेडीए, एडवोकेट भागचंद जैन, अजय जैन दिल्ली, शरद बाकलीवाल, मनीष जैन,सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

धर्मनाथ का मोक्ष कल्याणक जनकपुरी में वीतरागमय धर्म दिवस के रूप में मनाया गया

संस्थान की शिक्षक विदुषियों द्वारा चढ़ाया गया मुख्य निर्वाण लाडू। प्रार्थना व दीप अर्चना के साथ शुरू हुआ शिक्षण शिविर का ग्यारहवाँ दिन। गीत गीत में बच्चों ने सीखा जरूरतमन्द की सहायता करना (ओ मेरे जादू के थैले)

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में मंगलवार दिनांक 23/5/23 को भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ तीर्थंकर भगवान धर्म नाथ का मोक्ष कल्याण वीतरागमय धर्म दिवस के रूप में मनाया गया ।सुबह अभिषेक शान्ति धारा के बाद

पन्द्रहवें तीर्थंकर धर्मनाथ की पूजन जयकारों के साथ करते हुए सभी ने समंतभद्र की गाथा के बाद निर्वाण काण्ड का वाचन कर निर्वाण अर्घ बोलते हुए करतल ध्वनि के मध्य निर्वाण लाडू चढ़ायो मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का सोभाग्य श्रमण संस्कृति संस्थान की शिक्षक विदुषियों सेजल गरिमा दीपाली ने प्राप्त किया। इसके बाद शिविर के ग्यारहवे दिन की कक्षाओं का पदम पारस बिलाला परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ ।जिसमें एक सो बीस से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति रही । गीत गीत में बच्चों ने भगवान से जरूरतमन्द की सहायता करने हेतु खाना कपड़े आदि जादू के थैले में माँगा । तो बड़े विद्यार्थियों ने इष्टोपदेश की गाथायें पढ़ी। संस्थान से पधारे पंडित अजीत शास्त्री ने द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया ।सभी को नित्य की तरह पारितोषिक व अल्पाहार दिया गया । बुधवार को मन्दिर जी में साज बाज के साथ श्रुत पंचमी के शुभअवसर पर श्रुत स्कंध विधान पूजन का आयोजन होगा।

आज श्रुत पंचमी-षट्खण्डागम

एक आगम ग्रंथ का उद्भव दिवस है। तीर्थंकर महावीर की वाणी लिपबद्ध कर जन-जन तक पंहुचाने का महान दिन आज जैनधर्म का ज्ञान पर्व

आज से 1866 वर्ष पूर्व आज ही यानी जेष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन भगवान महावीर के उपदेशों को षट्खण्डागम ग्रंथ के रूप में श्रवण के आधार पर लिपिबद्ध कर के भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया था। अतः आज के दिन को श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाता है। चूंकि यह ग्रंथ प्राकृत भाषा में लिपि बद्ध है अतः इस दिन को प्राकृत भाषा दिवस के रूप में भी मनाते है। यह दिवस जैन धर्मावलंबियों के लिए जन जन तक धर्म ज्ञान पंहुचाने का एक प्रयोजनीय दिन है। तीर्थंकरों के द्वारा केवलज्ञान प्राप्ति उपरांत उनकी दिव्य ध्वनि प्रतिदिन पूर्वान्ह, मध्यान्ह, अपरान्ह एवं अर्धरात्रि में चार बार छह -छह घड़ी पर्यंत खिरती रहती है। यह दिव्य ध्वनि सात सौ लघुभाषा और अठारह महाभाषा में खिरती है। समवशरण में उपस्थित सभी गति के जीव अपनी अपनी भाषा में इसे समझ लेते हैं। भगवान महावीर की वाणी श्रुत रूप में रही, जो अंतिम केवली जम्बू स्वामी तक निरंतर प्रवाहमान होती रही। वर्षों तक उनके उपदेश आचार्यों, मुनियों एवं योग्यजनों द्वारा याददाश्त के आधार पर जनमानस में प्रचलित रहे। भद्रभाहू अंतिम श्रुतकेवली थे, इनके पश्चात क्षयोपशम ज्ञान की मन्दता बढ़ने लगी एवं इस तरह अंगों एवं पूर्व ज्ञान का ह्रास होने लगा। भगवान महावीर के निर्वाण के 683 वर्ष व्यतीत होने पर अंगों और पूर्व के शेष ज्ञान के भी लुप्त होने एवम कालांतर में शास्त्रों के घटते ज्ञान से चिंतित होकर कि महावीर की श्रुत परंपरा, बुद्धि के निरंतर ह्रास के कारण केवल सुनकर सीखने के आधार पर नहीं चल सकती, यह जानकर, अपनी शेष अत्यल्प आयु में, अवशेष ज्ञान को लिपिबद्ध कराने हेतु आचार्य धरसेन ने महिमा नगरी में हो रहे मुनि सम्मेलन से दो योग्य मुनियों आचार्य पुष्पदंत और आचार्य भूतबलि को योग्य जानकर अपने आश्रय स्थल, गिरनार पर्वत, गुजरात में स्थित चंद्र गुफा में अपनी स्मृति में सुरक्षित संपूर्ण ज्ञान को लिपिबद्ध कराया। परिणामतः 'षट्खण्डागम' नामक ग्रंथ की रचना हुई। षट्खण्डागम दिगम्बर साधु आचार्य धरसेन के द्वारा दिए गए आगम के मौखिक उपदेशों पर आधारित है। ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन चतुर्विद संघ की उपस्थिति में इस महान ग्रंथ की पूजा अर्चना करके भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया गया तभी से आज का दिन श्रुत पंचमी के नाम से विख्यात हुआ। षट्खण्डागम (छः भागों वाला धर्मग्रंथ) दिगम्बर जैन संप्रदाय का सर्वोच्च और सबसे प्राचीन पवित्र धर्मग्रंथ है। षट्खण्डागम (छक्खंडागम) सूत्र इस आगम ग्रन्थ में छह खण्ड हैं-

1.जीवट्ठाण (जीवस्थान) 2.खुद्दाबंध (क्षुद्रकबन्ध) 3. बंधसामित्तविचय (बन्धस्वामित्व) 4.वेयणा (वेदना) 5.वग्गणा (वर्गणा) 6. महाबन्ध।

प्रथम तीन भाग कर्म दर्शन की व्याख्या आत्मा के दृष्टिकोण से करते हैं, जो कि बंधन का कारक है एवं अंतिम तीन भाग कर्म की प्रकृति और सीमाओं की चर्चा करते हैं। पंचपरमेष्ठी आराधक णमोकार महामंत्र जिसे विश्वशांति मंत्र के नाम से जाना जाता है इसी षट्खंडागम ग्रन्थ का मंगलाचरण है। षट् खंडागम ग्रन्थ पर आचार्य कुन्दकुन्द, आचार्य समन्तभद्र जैसे आचार्यों ने टीकाएं, जो वर्तमान में अनुपलब्ध है, लिखकर धर्मज्ञान उपलब्ध कराया था। वर्तमान में आठवीं सदी के आचार्य वीरसेन स्वामी की धवला नामक टीका उपलब्ध है। हम पूजा पाठ को धर्म की मात्र क्रिया समझ कर पंच परमेष्ठि का गुण गान करते है। जिनवाणी हमे ज्ञान देती है कि ज्ञान पूर्वक क्रिया ही फल प्रदायनी होती है। अतः पूजापाठ में समाहित अध्यात्म रुपी तत्व प्राप्त करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी मानेंगे, तभी हम सच्चे अर्थों में जिनवाणी की सेवा कर सकते है। आज मन्दिरों की अलमारियों में बंद आगम शास्त्र - जिनवाणी को बाहर निकालकर स्वाध्याय, शास्त्र चर्चा, वार्तिक, वचनिका से आत्म-परोपकार की भावना जागृत कर सकते हैं। जैन धर्म में देव, शास्त्र एवं गुरु की पूजा का विशेष महत्व है। जैन धर्मावलंबी सेद्धांतिक देशना से लिपिबद्ध जिनवाणी की पूजा, आराधना करके शास्त्र भंडारों का उचित रखरखाव, देखभाल, सुरक्षा- पूर्व में भी हमारे कई धर्म ग्रंथो को विधर्मियो द्वारा अपने कब्जे में लिए गए है, आत्म कल्याण के उद्देश्य से स्वाध्याय करने का नियम लेकर शास्त्रों का धर्मरक्षार्थ सदुपयोग किया जा सकता है। समग्र समाज आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत, आचार्य भूतबली के त्याग, तपस्या और पुरुषार्थ का चिर ऋणी है। भावी पीढ़ी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए भगवान महावीर की वाणी को स्वाध्याय चिंतन, मनन द्वारा श्रुत व लिपि के रुप में सुरक्षित, संरक्षित करने का संकल्प करे। धर्मशास्त्र ही हमारी जीवन नैया का खिवैया है। महावीर की वाणी को जन जन तक पहुंचाकर अपने नाम के साथ विरासत में मिले जैन उपनाम को सार्थक बना सकते हैं।

ताड़पत्र पर तीर्थंकर की दिव्य वाणी लिपिबद्ध करते युगल मुनि पुष्पदंत-भूतबलि।

समग्र समाज आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत, आचार्य भूतबली के त्याग, तपस्या और पुरुषार्थ का चिर ऋणी है। भावी पीढ़ी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए भगवान महावीर की वाणी को स्वाध्याय चिंतन, मनन द्वारा श्रुत व लिपि के रुप में सुरक्षित, संरक्षित करने का संकल्प करे।

संकलन आधार: श्रुत स्कंध महामंडल विधान।
संकलन : भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव

श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्यों से की षट्-खण्डागम विधान पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव के प्रथम दिवस पर वर्तमान समय मेंश्रुत की अवधारणा विषय पर धर्म सभा हुई धर्समभा को विद्वान महानुभाव ब्रह्मचारी श्री अनिल कुमार जी जैन ने संबोधित किया ,सारस्वत अतिथि के रूप में श्रीमती सीमा जी शर्मा उप शासन सचिव मानव अधिकार आयोग राजस्थान सरकार थीं। दूसरे दिन मंगलवार को बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में षट्-खण्डागम विधान का आयोजन किया गया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद के मंत्री एवं विधान के मुख्य आयोजनकर्ता हीराचंद बैद ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सुबह श्रीजी की प्रतिमाओं का अभिषेक किया। नित्य नियम पूजा के उपरांत पंडित अभय कुमार शास्त्री-देवलाली महाराष्ट्र द्वारा रचित षट्-खण्डागम विधान को श्रावकों द्वारा उल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न किया गया। विधान में पंडित रमेश कुमार गंगवाल के निर्देशन में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति-भाव के साथ मंत्रोच्चार करते हुए अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना की। गायक कलाकार रिमांशू जैन शास्त्री एवं अनेकांत जैन शास्त्री ने सस्वर संगीत मय पूजा करवाई। विधान में षट्-खण्डागम ग्रंथ विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती संगीता सोनी-प्रदीप सोनी तथा मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य श्रीमती शशी बैद-हीरा चंद बैद ने प्राप्त किया। इस अवसर पर वीतराग महिला मंडल की ओर से भी मंगल कलश की स्थापना की गई। इससे पूर्व जिनवाणी शोभायात्रा निकाली गई ,कार्यक्रम में महावीर जी क्षेत्र के मानद मंत्री श्री महेन्द्र कुमार पाटनी, सी.ए.श्री शांति लाल गंगवाल, डा.आनिल जैन, श्री महेश चन्द्र चांदवाड, अखिल जैन-इन्दोर, वैभव जैन - मुम्बई, महेश जैन-ब्यावर, प्रदीप जैन- आगरा, लक्ष्मी चन्द जैन सीकर आदि समाज के प्रबुद्धजन एवं बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। परिषद के अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार जैन शास्त्री ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को विशाल जिनवाणी रथयात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा जौहरी बाजार स्थित श्री दिगम्बर जैन तेरापंथी बड़ा मंदिर दड़ा बाजार से रवाना होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई, मनिहारों के रास्ते में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा जलसेवा

रेल यात्रियों को शीतल जल पिलाकर कमा रहे हैं पुण्य

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

वैशाख और जेठ माह की भीषण गर्मी में जहां लोग अपने घरों में ऐसी एवं कूलर की ठंडी हवा के सहारे अपने घरों में रहना पसंद करते हैं वही इसी शहर के दर्जनों नौजवान ऐसे भी हैं जो गर्मी की परवाह नहीं करते हुए रेलवे स्टेशन पर आकर भीषण गर्मी एवं गाड़ियों में यात्रियों की भीड़ से परेशान रेल यात्रियों को शीतल जल पिलाकर आनंद की अनुभूति प्राप्त करते हैं। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के बैनर तले एक महीने से रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए जल मंदिर के साथ-साथ यात्री गाड़ियों के डिब्बों पर ही ट्रोलियों के माध्यम से रेल यात्रियों के लिए जलसेवा की जा रही है। जल सेवा के संयोजक नरेंद्र जैन ने बताया कि शाम के समय पीने के पानी की मांग बहुत रहती है। कोटा से आने वाली गाड़ियां सोगरिया एक्सप्रेस ,कोटा मथुरा पैसेंजर, कोटा पटना, नंदा देवी एक्सप्रेस, देहरादून, एक्सप्रेस एवं साप्ताहिक गाड़ियों पर ग्रुप से जुड़े हुए सदस्य परिवार जिनमें महिलाएं पुरुष बच्चे भी शामिल हैं रेलवे स्टेशन पर आकर शाम को जल सेवा में जुड़ जाते हैं और गाड़ियों के डिब्बों पर खिड़कियों पर निशुल्क जल पिलाने के लिए मनुहार करते हैं। इन्हें देखकर यात्री भी बड़े खुश नजर आते हैं। ग्रुप के अध्यक्ष विमल जैन एवं महामंत्री डॉ मनोज जैन ने बताया कि एक दर्जन ट्रोलियों के माध्यम से यह जल सेवा की जा रही है ग्रुप सदस्य परिवारों के साथ साथ शहर के दर्जनों समाजसेवी नौजवान भी जल सेवा से जुड़े हुए हैं जो समय समय पर आकर जल सेवा में सहयोग करते हैं। जल सेवा के संयोजक एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के रीजन उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि यह जल सेवा विगत 12 वर्षों से निरंतर रेलवे स्टेशन पर चल रही है। सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का यह बड़ा उपक्रम है। जैन ने बताया कि सोशल ग्रुप के माध्यम से कई सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्यक्रम धार्मिक कार्यक्रम देशभक्ति पर्यावरण मोटिवेशनल ब्लड डोनेशन कैंप हेल्थ चेक अप कैंप जीव दया से संबंधित धार्मिक यात्राओं से संबंधित कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाता रहा है। लेकिन जलसेवा का कार्यक्रम सबसे लंबे समय तक चलने वाला कार्यक्रम है महावीर जयंती पर यह जलसेवा प्रारंभ होती है और लगभग 15 जुलाई तक यह जलसेवा जारी रहती है।

यातायात कमिश्नर प्रहलाद कृष्णिया का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निरोधक व मानव अधिकार संस्थान की कोर कमेटी ने संस्थापक अध्यक्ष अशोक शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार यादगार भवन में यातायात कमिश्नर प्रहलाद कृष्णिया से मुलाकात की और यातायात व्यवस्था को बहुत ही सुचारू रूप से व्यवस्थित करने के लिए माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। साथ ही सहायक शशिशेखर शर्मा का भी सम्मान किया। इस अवसर पर रास्ट्रीय महिला अध्यक्ष एडवोकेट सुषमा पारीक,राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव रघुवीर सिंह नाथावत, राष्ट्रीय विधि सलाहकार एडवोकेट रोहित शर्मा,राष्ट्रीय यूथ अध्यक्ष अर्जुन सिंह एडवोकेट मणिरत्नम व पुनीत उपस्थित रहे।

गांधी जी ने अहिंसा जैन सिद्धांत के बल पर देश को आजादी दिलाई : केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

जैन समाज के सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने लिया भाग, क्षेत्रीय सम्मेलनो से जैन समाज की युवा पीढ़ी जुड़ेगी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जैन धर्म के मूल सिद्धांत अहिंसा के वल अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते अहिंसक तरीके से देश को आजादी दिलाई आज विश्व को जैन सिद्धांतो की आवश्यकता है विश्व में शांति के लिए ढ़ाई हजार साल पहले सम्पादित सिंध्दात आज भी उतने ही उपयोगी है वल्कि आज अधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है अभी पूर्व वक्ताओं ने तीर्थ क्षेत्र व थूवोनजी की समस्यायों को रखा थूवोनजी में पानी की टंकी के साथ ही अन्य मांगों को मै अपने संज्ञान में लेकर पूरा करुंगा पहले भी जैन समाज की महिलाओ ने जो मांग रही थी उसे पूरा किया आगे आगे आप लोगों को मांग रखते रहना चाहिए एक मांग पूरी हो तव तक दस नई मांगे आ जाना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार केन्द्रीय मंत्री श्री मंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जैन समाज के क्षेत्रीये सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि पहली बार जिले की समाज सम्मेलन के माध्यम से अपने विचारों का आदान प्रदान कर रही है ऐसे सम्मेलनो से जिले की समाज एक जुट होकर कार्य करते हुए सफलता को प्राप्त करेगी इसके पहले मुख्य अतिथि श्री मंत सिंधिया मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री ब्रिजेन्द्र सिंह विधायक जजपाल सिंह जज्जी भइया नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री

विपिन सिंघाई राजीव चन्देरी मनोज रन्नौद विवेक अमरोद ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। सम्मेलन में समाज के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि आज अनेक तीर्थों पर असमाजिक तत्वों द्वारा विघ्न उत्पन्न किये जा रहे हैं इन्दौर के निकट गोम्टगिरि पर असामाजिक तत्वों ने क ई बार समस्याएं उत्पन्न की है वह सुरक्षा निश्चित हो इसके साथ ही समाज के निचले वर्गों को सरकार की योजना का लाभ मिल सके इसमें प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग संभाविक है जिससे की अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

कीर्ति स्तंभ की स्थापना करना हमारा पहला लक्ष्य: राकेश कासंल

जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि जन-जन के लाडले नेता श्री मंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी हमारे आग्रह पर क्षेत्रीय सम्मेलन में पधकर कर हमें अपना मार्ग दर्शन प्रदान करने जा रहे हैं यहां विधायक जजपाल सिंह जज्जी नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया बैठे हैं मैं निवेदन करुंगा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संयम स्वर्ण जयंती पर।

तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव

श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्यों से की षट्-खण्डागम विधान पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव के प्रथम दिवस पर वर्तमान समय में श्रुत की अवधारणा विषय पर धर्म सभा हुई धर्समभा को विद्वान महानुभाव ब्रह्मचारी अनिल कुमार जैन ने संबोधित किया ।सारस्वत अतिथि के रूप में श्रीमती सीमा शर्मा उप शासन सचिव मानव अधिकार आयोग राजस्थान सरकार थीं। दूसरे दिन मंगलवार को बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में षट्-खण्डागम विधान का आयोजन किया गया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद के मंत्री एवं विधान के मुख्य आयोजनकर्ता हीराचंद बैद ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सुबह श्रीजी का अभिषेक किया। नित्य नियम पूजा के उपरांत पंडित अभय कुमार शास्त्री-देवलाली महाराष्ट्र द्वारा रचित षट्-खण्डागम विधान को श्रावकों द्वारा उल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न किया गया। विधान में पंडित रमेश कुमार गंगवाल के निर्देशन में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति-भाव के साथ मंत्रोच्चार करते हुए अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना की। गायक कलाकार रिमांशू जैन शास्त्री एवं अनेकांत जैन शास्त्री ने सस्वर संगीत मय पूजा करवाई। विधान में षट्-खण्डागम ग्रंथ विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती संगीता सोनी-प्रदीप सोनी तथा मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य श्रीमती शशी बैद-हीरा चंद बैद ने प्राप्त किया। इस अवसर पर वीतराग महिला मंडल की ओर से भी मंगल कलश की स्थापना की गई। इससे पूर्व जिनवाणी शोभायात्रा निकाली गई ,कार्यक्रम में महावीर जी क्षेत्र के मानद मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, सी.ए. शांति लाल गंगवाल, डा.आनिल जैन, महेश चन्द्र चांदवाड, अखिल जैन- इन्दोर, वैभव जैन - मुम्बई, महेश जैन-ब्यावर, प्रदीप जैन- आगरा , लक्ष्मी चन्द जैन सीकर आदि समाज के प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। परिषद के अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार जैन शास्त्री ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को विशाल जिनवाणी रथयात्रा निकाली जाएगी।